मौसमी बीमारियों ने पसारे अपने पैर

वायरल फीवर, सर्दी, खांसी, दस्त जैसी मौसमी बीमारियों का फैलाव

नवभारत/ नरसिंहपुर/ तेंदूखेड़ा। क्षेत्र में बरसात के मौसम में वायरल फीवर सर्दी खाँसी दस्त जैसी मौसमी बीमारियों का फैलाव हो रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तेंदूखेड़ा से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 200-250 मरीज ओपीडी में एवं 30-40 मरीज वार्ड में भर्ती हो रहे हैं। पिछले 1 माह से लगातार रिमझिम बारिश के कारण मच्छरों का प्रकोप भी वढ रहा है। मौसमी बीमारियों के फैलाव होने के कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र तेन्दूखेडा में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

लंबे समय से डॉक्टरों की कमी

मानव जीवन में रोटी कपड़ा और मकान की महती आवश्यकता के बाद स्वास्थ्य और शिक्षा भी जरुरी है लेकिन इन दोनों में स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा का दुर्भाग्य ही कहा जाना चाहिए कि यहां पर काफी लंबे समय से पर्याप्त डाक्टर और सहयोगी स्टाप ना होने की बजह से यहां पर पदस्थ केवल एक मात्र डाक्टर पर ही पूरा भार पड़ रहा है। जो लगातार 24 घंटे सेवायें दे रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 03 रेग्युलर मेडीकल आफीसर 04 मेडीकल आफीसर बान्ड 01 स्त्री रोग विशेषज्ञ 08 स्टाफ नर्स की महती आवश्यकता है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यहां पर मात्र एक मेडीकल आफीसर रेग्युलर 01 ही है और मात्र 02 स्टाफ नर्स शेष बचें है। जिनमें एक अर्जित अवकाश पर हैं दूसरी मातृत्व अवकाश पर हैं।इसी तरह से यहां पर 03 ड्रेसर में एक भी नहीं है। वार्ड वाय 03 में मात्र 01 फार्मासिस्ट 02 में 01 है।ए एन एम 10 में से मात्र 06 है। बाहन चालक एक भी नहीं है। जबकि एक का होना आवश्यक है। स्वीपर आउटसोर्स 06 में से मात्र 04 स्वीपर रेग्युलर 01 में से बिल्कुल नहीं चपरासी एक में से वह भी नहीं। कुल मिलाकर ऊंट के मुंह में जीरा।

> **लगातार बढ़ती जा रही मरीजों की संख्या**
>
> सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यहां पर यह बनी हुई है कि तहसील मुख्यालय तेंदूखेड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सागर रायसेन जिले के आदिवासी सुदूर अंचलों के भी मरीज यहां पर पहुंचा करते हैं। और विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियों के चलते पीड़ित वर्ग के लिए यह स्वास्थ्य केंद्र सुगमता की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है लेकिन इस केंद्र में चिकित्सकों के साथ साथ अन्य सुविधाओं की नगण्यता काफी लंबे समय से बनीं हुई है। यहां के मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बाहर सागर भोपाल जबलपुर नागपुर जैसे बड़े शहरों में जाना पड़ता है। बरसात के शुरुआती दिनों में पानी के कारण विभिन्न प्रकार की संक्रामक बीमारियां अपने पैर पसारती हैं ऐसे समय में डाक्टरों का ना होना सोचनीय विषय बना हुआ है।

पड़ोसी जिले की आती हैं महिलाएं, नहीं है महिला विशेषज्ञ डाक्टर

शासन की योजनाओं के चलते तथा प्रसूति महिलाओं को डिलेवरी के लिए यह स्वास्थ्य केंद्र काफी किफायती समझ पड़ता है। इसलिए सागर रायसेन जिले के आदिवासी बाहुल्य इलाकों की प्रसूति महिलाएं यहां पर आकर डिलेवरी कराती हैं।सीमित स्टाप और कुछ स्टाफ नर्सो के अनुभव के कारण ही महिलायें यहां पर आ जाती है। लगभग चार दशकों से इस क्षेत्र में महिला विशेषज्ञ डाक्टर नहीं है। महिलाओं को इलाज कराने के लिए बाहर ले जाना पड़ता है।

केवल चुनावों के समय जरूर घोषणा पत्रों मेंसमुचित सुविधाओं का उल्लेख हुआ करता है लेकिन व्यवस्था आज तक नहीं बन सकी है।तेंदूखेड़ा क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग ने शासन प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र की जनसंख्या के मान से यहां पर पर्याप्त चिकित्सक और अन्य स्टाफ सुविधाएं उपलब्ध कराई जायें। तेंदूखेड़ा में विगत वर्ष एक नये भवन के लिए राशि मुहैया कराई गई थी जगह का भी सीमांकन हुआ था लेकिन सूत्रों से जानकारी मिली है कि नये भवन निर्माण वाली राशि वापस हो गई है।इस कारण निर्माण कार्य भी टल गया है। हमेशा से ही तेंदूखेड़ा के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जाता रहा है।जन स्वास्थ्य की दृष्टि से शीघ्र ही सिविल अस्पताल की व्यवस्था की जाये।

पांचवें दिन हुआ भगवान महावीर का जन्म वांचन

करेली। स्थानीय श्री जैन श्वेतांबर मंदिर में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व बड़े ही उत्साह और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। दल्ली राजहरा (छत्तीसगढ़) से पधारे स्वाध्यायी श्री पारस जी गोलछा एवं पुणे से पधारे श्री नमन जी लुणावत के सानिध्य में कल्पसूत्र की नियमित वांचना चल रही है। पर्व के पांचवें दिन भगवान महावीर स्वामी के जन्म वांचन का पावन प्रसंग श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान माता त्रिशला द्वारा देखे गए 14 महास्वप्नों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। जन्म वांचन होते ही पूरा मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा और समाजजनों ने एक-दूसरे को बधाई दी। इसके पश्चात श्रद्धा और उल्लास के साथ भगवान का पालना झुलाया गया, जिसका लाभ श्री लखमीचंद जी छेड़ा परिवार ने लिया। इस पावन अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं प्रभु महावीर के परिवार का परिचय कराने के लिए एक सुंदर नाटिका का मंचन किया गया। इस नाटिका में पीयूष लुणावत, करुणा लुणावत, रैना लुणावत, मुस्कान लुणावत और सिद्धांश लुणावत ने अभिनय कर प्रभु के परिवार के स्वरूप को जीवंत किया। पर्युषण के उपलक्ष्य में मंदिर में धार्मिक उल्लास का माहौल है और समाजजन एकाशना, उपवास जैसी कठिन तप-आराधनाओं में लीन हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कल्पसूत्र श्रवण, पूजा और प्रभु भक्ति में भाग ले रहे हैं। दिनांक 15 सितंबर को संवत्सरी पर्व मनाया जाएगा और 16 सितंबर को मोक्ष द्वार खोलना और सामूहिक क्षमायाचना का कार्यक्रम होगा।

बांसखेड़ा में विकास के दावों पर सवाल

नवभारत/ साईखेड़ा/ बांसखेड़ा। जनपद पंचायत साईखेड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसखेड़ा में विकास कार्यों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। मामला किसी बड़े प्रोजेक्ट या करोड़ों रुपये की योजना का नहीं, बल्कि गांव की उस मूलभूत सुविधा का है, जिसकी जरूरत हर परिवार को कभी न कभी पड़ती है। गांव के श्मशान घाट तक पहुंचने वाला मार्ग आज भी बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव से जूझ रहा है। हाल ही में बांसखेड़ा निवासी एवं पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष के पति के निधन के बाद अंतिम यात्रा श्मशान घाट के लिए निकली। बारिश के कारण रास्ते की स्थिति बेहद खराब थी। कीचड़ और पानी के बीच लोगों को अंतिम यात्रा लेकर आगे बढ़ना पड़ा। इस दौरान बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों सहित अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना ने गांव में वर्षों से चली आ रही समस्या को एक बार फिर सार्वजनिक चर्चा में ला दिया है।

> **ग्रामीण जानना चाहते हैं कि**
>
> - क्या श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था?
> - क्या प्रस्ताव जनपद पंचायत अथवा संबंधित विभाग को भेजा गया था?
> - यदि प्रस्ताव भेजा गया तो उसकी वर्तमान स्थिति क्या है
> - क्या निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई थी?
> - यदि राशि स्वीकृत हुई तो उसका उपयोग किस कार्य में किया गया?
> - और यदि कोई कार्य हुआ तो बारिश में मार्ग की ऐसी स्थिति क्यों बनी हुई है?

अंतिम यात्रा के दौरान सामने आई व्यवस्था की असली तस्वीर

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में श्मशान घाट तक पहुंचने वाला रास्ता बेहद कठिन हो जाता है। रास्ते पर जगह-जगह पानी भरने और कीचड़ होने से पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में जब किसी परिवार में मृत्यु होती है तो पहले से दुखी परिजनों को अंतिम यात्रा के दौरान रास्ते की समस्या से भी जूझना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम यात्रा किसी भी परिवार के लिए बेहद संवेदनशील और भावुक क्षण होता है। ऐसे समय में कम से कम इतना तो होना चाहिए कि शव को सम्मानपूर्वक और सुगमता से श्मशान घाट तक ले जाया जा सके। लेकिन बांसखेड़ा में बारिश के दिनों की स्थिति इस मूलभूत सुविधा पर ही सवाल खड़े कर रही है।

विकास के दावों के बीच पांच दशक से इंतजार

ग्रामीणों के अनुसार श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग की समस्या कोई नई नहीं है। लंबे समय से ग्रामीण इस मार्ग को व्यवस्थित एवं पक्का बनाने की मांग करते आ रहे हैं। बावजूद इसके आज तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। शासन और प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सड़क, नाली, बिजली, पानी तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर विभिन्न योजनाएं संचालित की जाती हैं। पंचायत स्तर पर भी विकास कार्यों की प्राथमिकताएं तय की जाती हैं। इसके बावजूद यदि किसी गांव में श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए बरसात में भी सुगम रास्ता उपलब्ध नहीं है तो यह निश्चित रूप से व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। ग्रामीणों का कहना है कि पांच दशक बीत जाने के बाद भी यदि श्मशान घाट तक पहुंच मार्ग की समस्या बनी हुई है तो विकास कार्यों की प्राथमिकताओं की समीक्षा होना जरूरी है।

पूर्व जनपद अध्यक्ष के गांव में ही उठ रहे सवाल

बांसखेड़ा की स्थिति इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि इसी गांव की महिला जनप्रतिनिधि पूर्व में पांच वर्ष तक जनपद पंचायत साईंखेड़ा की अध्यक्ष रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि उनके कार्यकाल में गांव की इस मूलभूत समस्या को लेकर क्या प्रयास किए गए।

एक नजर में

चलेगा कुष्ठ रोगी खोज अभियान

तेंदूखेड़ा विगत दिवस राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर महोदया के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में कुष्ठ रोगी खोज अभियान 16 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चलाया जाना है। जिसे लेकर ब्लॉक स्तरीय कुष्ठ प्रशिक्षण मेडिकल ऑफिसर सीएचओ सेक्टर सुपरवाइजर अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को अभियान का प्रशिक्षण दिया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य एक-एक कुष्ठ संभावित व्यक्ति की सही पहचान समय पर पुष्टि उपचार की शुरुआत कुष्ठ रोगी के संपर्क में आए सभी की स्क्रीनिंग सुनिश्चित करना है ।समय पर खोजे गए केस को हम आप स्थाई विकलांगता से बचा सकते हैं। प्रशिक्षण में जिला कुष्ठ अधिकारी डा राजकिशोर पटैल कुष्ठ चिकित्सा सहायक मानसिंह पटैल ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक विनोद प्रजापति ब्लाक चिकित्सा सहायक राघवेन्द्र सिंह राजपूत समस्त सेक्टर सुपरवाइजर सीएच ओ एवं एएनएम उपस्थित रहे।

नहीं रहे चरण सिंह पटेल

तेंदूखेड़ा। समीपी ग्राम डोभी के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार में वरिष्ठ सदस्य चौधरी चरण सिंह पटेल की अचानक हृदय गति रुक जाने से असमय दुखद निधन हो गया। चरण सिंह पटेल चौधरी बलिराम सिंह के भाई धर्मेन्द्र पटेल एवं जितेन्द्र पटेल सरपंच ग्राम पंचायत डोभी के पूज्य पिता थे। वे सामाजिक रूप से मिलनसार एवं प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन पर क्षेत्रीय जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी गई।

सरोज गुप्ता का आकस्मिक निधन

करेली। नगर की धर्मपरायण मातृ शक्ति श्रीमती सरोज गुप्ता का आकस्मिक निधन हो गया आप नव जागृति मण्डल के सदस्य रहे स्व. श्री अमरचंद गुप्ता धनोरा वालो की धर्मपत्नी एवं प्रतिष्ठित किराना व्यापारी राघवेंद्र गुप्ता, अजय गुप्ता धनोरा वालो की माताजी एवं श्री नेमीचंद गुप्ता भोपाल, किशनचंद गुप्ता धनोरा वालो की भाभीजी थी। सरोज गुप्ता के आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही परिजनों, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक व्याप्त हो गया।स्वजातीय परिवारजनों एवं परिचितों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

5 हजार तक के बिजली बिलों ने बढ़ाई परेशानी

जांच व्यवस्था पर उठे सवाल

नवभारत/गाडरवारा। चीचली ब्लॉक क्षेत्र में बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर उपभोक्ताओं में नाराजगी सामने आ रही है। उपभोक्ताओं के अनुसार कई घरों में पिछले तीन-चार माह से बिजली के बिल अचानक बढ़कर करीब 5 हजार रुपए तक पहुंच गए हैं। इससे आम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिल अधिक आने की शिकायत के बावजूद कई मामलों में मीटर की स्थिति, वास्तविक रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया की समुचित जांच नहीं हो पा रही है। वहीं, बिल जमा नहीं होने पर कनेक्शन विच्छेद की कार्यवाही किए जाने की बात भी उपभोक्ताओं द्वारा कही जा रही है।

> **इन सवालों के जवाब जरूरी**
>
> - अचानक बढ़े बिजली बिलों की जांच की जिम्मेदारी किसकी है?
> - मीटर की वास्तविक रीडिंग का सत्यापन कैसे किया जा रहा है?
> - अधिक बिल आने की शिकायतों का निराकरण कितने समय में किया जाता है?
> - शिकायत लंबित रहने के दौरान कनेक्शन काटने की क्या प्रक्रिया है?
> - गलत बिल पाए जाने पर उपभोक्ता को राहत देने की व्यवस्था क्या है?
> - उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चीचली ब्लॉक में बढ़े हुए बिजली बिलों की जांच कराने, मीटर रीडिंग का भौतिक सत्यापन करने तथा गलत बिल पाए जाने पर तत्काल सुधार की मांग की है।
> - अब देखना यह है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को लेकर विद्युत विभाग जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाता है या बढ़े हुए बिलों का सिलसिला इसी तरह जारी रहता है।

नेशनल लोक अदालत में 110 व्यक्ति हुये लाभान्वित

नवभारत/ तेंदूखेड़ा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अखिलेश शुक्ला नरसिंहपुर के निर्देशानुसार एवं सचिव श्री दिनेश मीणा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय तेंदूखेडा में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति श्री शिव कान्त कुशवाहा के द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। अधिवक्ताओं सहित नगर परिषद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सोनाटा फाइनेंस बैंक पंजाब नेशनल बैंक, म0प्र0 ग्रामीण बैंक इत्यादि बैंको के कर्मचारी एवं उन बैंको से संबंधित पक्षकार एवं समस्त न्यायालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत में पारिवारिक विवाद सिविल प्रकरण एवं राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण जल विद्युत कर आदि से संबंधित प्रकरणों एवं अन्य प्रकरणों का आपसी बातचीत से समझौते के माध्यम से निराकरण किया गया। जिसमें न्यायालय में लंबित प्रकरणों में से 30 प्रकरणों का आपसी सामंजस्य एवं सौहार्द्रपूर्ण समझौते के आधार पर निराकरण किया गया जिसमें 46.व्यक्ति लाभान्वित होकर 118000 रूपये का समझौता एवं कुल प्रीलिटीगेशन के 110 प्रकरण निराकृत हुए जिसमें 1292546 रूपये की राशि का समझौता हुआ जिसमें 110 व्यक्ति लाभान्वित हुए। समझौता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने वाले पक्षकारों को आपसी भाईचारे का संकल्प दिलाया जाकर फलदार पौधे भेंट कर नेशनल लोक अदालत के माध्यम से समझौता करने हेतु धन्यवाद आभार प्रकट कर नेशनल लोक अदालत का सफलता पूर्वक समापन किया गया।सभी पक्षकारों को पौधे भेंट किए गए। नेशनल लोक अदालत में लंबें समय से चल रहे कुछ प्रकरणों का भी सामाजस्य पूर्ण तरीके से निराकरण कर राजीनामा कराया गया।

ब्राह्मण समाज का अनूठा प्रयास

रैली निकाली फिर किए पौधे रोपित

नवभारत/तेंदूखेड़ा। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सर्व ब्राह्मण समाज तेंदूखेड़ा द्वारा क्षेत्र में 1100 वृक्षारोपण करने का सराहनीय लक्ष्य रखा गया है। जिसके तहत विगत दिवस एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई। शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों शिक्षकों और ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। ओपन वेयरहाउस आईटीआई के पास स्थित कैंप स्थल पर अतिथियों शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर 101 पौधे रोपित किए। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम पर्यावरण बचाएं जीवन बचाएं के संदेश के साथ प्रकृति का कर्ज चुकाने का संकल्प लिया। इसके उपरांत शासकीय कन्या विद्यालय परिसर में भी विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ की विशेष मौजूदगी में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। छात्राओं और शिक्षकों ने मिलकर पौधों को रोपा और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस पवित्र और पर्यावरण हितैषी अभियान में सर्व ब्राह्मण महासभा तहसील तेंदूखेड़ा के विप्र बंधुओं गणमान्य नागरिकों तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

आमगांव तिराहे पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

नवभारत/ गाडरवारा। आमगांव तिराहे पर सड़क एवं सार्वजनिक स्थान पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। अनुविभागीय प्रशासन एवं नगर पालिका अमले की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर तिराहे के आसपास किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटवाए। कार्यवाही के दौरान सड़क किनारे दुकानें एवं अन्य सामग्री लगाकर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले लोगों को समझाइश दी गई। अधिकारियों ने दुकानदारों से कहा कि सार्वजनिक मार्ग एवं तिराहे की सीमा में दुकानें अथवा अस्थायी ठेले आदि न लगाए जाएं, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो।

प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण किए जाने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यवाही के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन की इस कार्यवाही से आमगांव तिराहे पर सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को हटाने के साथ यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया।

बिजली चोरी के प्रकरण में उपभोक्ता का आरोप- केस लड़ने पर कनेक्शन काटने का बनाया दबाव

नवभारत/ गाडरवारा। गाडरवारा विद्युत विभाग की कार्रवाई को लेकर एक उपभोक्ता ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उपभोक्ता का कहना है कि उसके खिलाफ बिजली चोरी का प्रकरण बनाया गया है, जिसे वह गलत बताते हुए कानूनी रूप से चुनौती दे रहा है। आरोप है कि मामले को लेकर उस पर बिल जमा करने का दबाव बनाया गया और बिजली कनेक्शन काट दिया गया। उपभोक्ता के अनुसार जब उसने कनेक्शन काटने की कार्यवाही को लेकर गाडरवारा विद्युत विभाग के एई शुभम मेहरा से बात की तो कथित तौर पर उन्हें बताया गया कि जज साहब ने कार्यवाही करने को कहा है, इसलिए लाइन काट दी। इससे मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उपभोक्ता का कहना है कि यदि न्यायालय की ओर से वास्तव में कनेक्शन काटने अथवा अन्य कार्यवाही के संबंध में कोई आदेश दिया गया है तो उसकी प्रति अथवा आदेश का स्पष्ट आधार सामने आना चाहिए। वहीं यदि कार्यवाही विभागीय स्तर पर की गई है तो उसके नियम और प्रक्रिया भी स्पष्ट की जानी चाहिए। मामले में अब यह महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित न्यायालय का आदेश क्या है, बिजली चोरी के प्रकरण में विभाग के पास क्या साक्ष्य हैं और कनेक्शन काटने की कार्यवाही किस प्रावधान के तहत की गई।

लोक कला | तालियों का भूखा नहीं

मुस्कान का पुजारी है गाडरवारा का ये बहरूपिया

नवभारत/ गाडरवारा। बाजार की भीड़ के बीच अचानक ठहाके गूंजने लगें, बच्चे किसी किरदार को देखकर खिलखिलाने लगें और राह चलते लोग कुछ पल के लिए अपने मोबाइल की दुनिया भूलकर किसी कलाकार को देखने लगें, तो समझिए बहरूपिया संजय मस्ताना वहां मौजूद हैं। जब आधुनिकता की तेज रफ्तार में लोककलाओं का रंग फीका पड़ता जा रहा है, ऐसे दौर में संजय मस्ताना ने बहरूपिया कला को न केवल अपनाए रखा है, बल्कि इसे अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया है। अलग-अलग किरदारों में ढलकर लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही उनकी सबसे बड़ी कमाई है। संजय का कोई एक रूप नहीं है। कभी वे नारद मुनि बनकर धार्मिक संदेश देते नजर आते हैं, तो कभी पुलिसकर्मी का रूप धारण कर यातायात नियमों का संदेश देते हैं। कभी जोकर बनकर बच्चों को हंसाते हैं तो कभी किसी सामाजिक किरदार के माध्यम से लोगों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं। कुछ ही मिनटों में अपना हुलिया, संवाद और अंदाज बदल लेना उनकी कला की खासियत है। उनका कहना है कि बहरूपिया केवल मनोरंजन करने वाला कलाकार नहीं होता, बल्कि कभी यह ग्रामीण समाज में सूचना और संदेश पहुंचाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हुआ करता था। संजय कहते हैं, हम बहरूपिए पहले गांव के अखबार हुआ करते थे। हमारे जरिए लोगों तक संदेश पहुंचता था।

> **संजय मस्ताना की कहानी**
>
> आज जमाना बदल गया है, लेकिन इंसान को हंसाने और कुछ पल खुश करने का सुख आज भी वही है। संजय मस्ताना की कहानी सिर्फ एक कलाकार की कहानी नहीं, बल्कि उस लोककला की कहानी भी है जो आधुनिक मनोरंजन के साधनों के बीच कहीं पीछे छूटती जा रही है। मोबाइल, सोशल मीडिया और डिजिटल मनोरंजन के दौर में जहां लोगों के पास मनोरंजन के हजारों साधन हैं

मंत्री राव उदय प्रताप को भेंट किए गोबर गणेश

नवभारत/ गाडरवारा। गौ संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में ब्रह्म अंबा गौ अभयारण्य की टीम द्वारा एक अभिनव पहल की गई। सेवा सदन में क्षेत्रीय विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से अभयारण्य टीम एवं दादाजी ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान टीम की ओर से मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को गौ आधारित प्राकृतिक सामग्री से निर्मित गोबर गणेश भेंट किए गए। गोबर से निर्मित गणेश प्रतिमाएं पर्यावरण संरक्षण के साथ ही गौ आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश देती हैं। टीम ने बताया कि ऐसी पहल के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। प्राकृतिक सामग्री से तैयार प्रतिमाओं के उपयोग से पर्यावरण हितैषी परंपराओं को प्रोत्साहन मिलता है। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मुलाकात के दौरान गौ संरक्षण, अभयारण्य की स्वच्छता व्यवस्था तथा गौ सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। अभयारण्य से जुड़े सदस्यों एवं गौ भक्तों ने गौ सेवा के कार्यों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

> **नाम सुधार सूचना**
>
> मैं शपथकर्ता कमलेश लोधी आ. रमेश लोधी आयु 42 वर्ष निवासी ग्राम झामर, तहसील व जिला नरसिहपुर म.प्र. शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूं :-
> 1. यह कि शपथकर्ता की पुत्री आरती लोधी का जन्म दिनांक 27/05/2009 में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धमना में हुआ था। पुत्री की मां का नाम भारती बाई है।
> 2. यह कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पुत्री का घरेलू नाम भावना लोधी दर्ज हो गया है जबकि पुत्री का वास्तविक नाम आरती लोधी है जो समस्त दस्तावेजों दर्ज है।
> 3. यह कि पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री के घरेलू नाम भावना लोधी के स्थान पर वास्तविक नाम आरती लोधी दर्ज करवाना चाहता हू अत: नाम के सत्यापन की पुष्टि बावत यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा है।
>
> **शपथकर्ता**